



## सम्पादकीय

मतदाताओं की पहचान, ईपिक संख्या एक  
जैसी होने की समस्या से मिलेगी जुटि

यह तर्क खोखला ही अधिक है कि इससे निजता के अधिकार का उल्लंघन होगा। आखिर ऐसा तो है नहीं कि इससे यह पता चल जाएगा कि किसको बोट दिया? हालांकि चुनाव आयोग ने अलग-अलग राज्यों में एक जैसी ईपिक संख्या को लेकर उठे संदेह का समाधान कर दिया है लेकिन उचित वर नहीं होगा कि उसे मतदाता पहचान पत्रों को आधार कार्ड से जोड़ने का अधिकार प्रदान किया जाए थह सराहनी है कि चुनाव आयोग मतदाताओं को विशिष्ट पहचान प्रदान करने की पहल कर रहा है। इससे अलग-अलग राज्यों में मतदाता फोटो पहचान पत्र यानी ईपिक संख्या एक जैसी होने की समस्या से तो मुक्ति मिलेगी ही, किसी मतदाता के अन्यत्र कहीं बस जाने पर उसका पता लगाना भी आसान होगा, लेकिन इसके साथ ही ऐसी व्यवस्था करना भी समय की मांग है कि यदि कोई मतदाता अपने आवास स्थल से अन्यत्र कहीं हो तो वहां भी मताधिकार का उपयोग कर सके। ऐसी व्यवस्था बनाना इसलिए आवश्यक हो गया है, क्योंकि अब एक बड़ी संख्या में लोग काम-धंधे, पढ़ाई के सिलसिले में दूसरी जगह जाते हैं। इनमें बड़ी संख्या में ऐसे लोग होते हैं, जो वहां अस्थायी तौर पर रहने लगते हैं। ऐसे लोग चुनावों के दोरान मताधिकार का उपयोग तभी कर सकते हैं, जब वे बोट देने के लिए वहां लौटें, जहां वे मतदाता के रूप में दर्ज हों। चूंकि सबके लिए ऐसा करना संभव नहीं होता, इसलिए वे चाहकर भी बोट नहीं कर पाते। इसकी अनेकों नहीं जानी चाहिए कि बोट प्रतिशत कम रहने का एक कारण यह ही है। अब जब एक साथ चुनाव की दिशा में कदम बढ़ाया जा रहा है, तब वह सोचा ही जाना चाहिए कि मतदाता देश में कहीं से भी मतदाता कैसे कर सकते हैं? इसके लिए आवश्यक हो तो मतदाता पहचान पत्रों को आधार कार्ड से जोड़ा जाना चाहिए। अभी वह व्यवस्था स्ट्रेचिंग है। एक साथ मतदाता पहचान पत्रों को आधार कार्ड से जोड़ने की पहल की गई थी, लेकिन कुछ अनीतिक दलों ने इस पर आपत्ति उठायी और एक जरूरी पहल थम गई। समझना कठिन है कि कुछ दलों को मतदाता पहचान पत्रों को आधार कार्ड से जोड़ने पा आपत्ति क्यों है? आखिर मताधिकार को सुगम-सुलभ बनाने में अड़ाया लगाने का क्या औचित्य यहां परादर्शिता लाने और फौजीबाड़ा रोकने के लिए स्थायी खाता संख्या अर्थात पैन कार्ड और मोबाइल सिम समेत अच्युतावाजेंगों को आधार से जोड़ा जा सकता है तो मतदाता पहचान पत्रों को क्यों नहीं जोड़ा जाना चाहिए और वह भी तब, जब इससे फँसी बोटों का पता लगाने में मदद मिलेगी? जो काम फँसी मतदाता रोकने में सहायक हो सकता है, उसके विरोध का कोई तार्किक आधार नहीं दिखता।

## आज का विचार

महनत तो हर फ़िल्ड में  
करनी पड़ेगी दोस्त  
बेकार पड़े रहने से तो  
लोहे में भी  
जंक लग जाता है।

भारत संवाद



## राशिफल

मेष : मेष राशि के जातकों के लिए दिन आपके लिए एसिला-जुला रहने वाला है। दांपत्य जीवन में चल रही कठिनाइयों का समाना करना पड़ेगा। काम का दबाव भी अधिक रहेगा। आप अपने किसी मित्र के घर दावत पर जा सकते हैं। परिवारिक समस्याओं को आप नजर अंदर न करें।

धनु राशि : धनु राशि के जातकों को आज अपने कामों में कुछ कठिनाइयों का समाना करना पड़ेगा। काम का दबाव भी अधिक रहेगा। आप अपने किसी मित्र के घर दावत पर जा सकते हैं। परिवारिक समस्याओं को आप हो सकते हैं। जीवन साथी को कार्यक्षेत्र में उत्तराचार रहने के कारण आपकी अपेक्षा बढ़ेंगी।

मिथुन राशि : मिथुन राशि के जातकों को आज शासन व सत्ता का पूरा लाभ मिलेगा, कोई सरकारी काम का प्राप्ति उत्तराचार रहने के कारण आपकी अपेक्षा बढ़ेंगी।

कुंभ राशि : कुंभ राशि के जातकों के लिए आज दिन परिवारिक जीवन में चल रही संख्याएं एक अच्छी नौकरी काम का लापरवाह करने के कारण आपकी कामों से जीवन में उत्तराचार रहने के कारण आपको अपनी सहयोगियों से मन की बात करने का मौका मिलेगा।

बुध राशि : बुध राशि के जातकों के लिए आज सामान्य रहने वाला है। रोजगार की तराश में लगे लोगों को कोई अच्छी नौकरी काम का प्राप्ति उत्तराचार रहने के कारण आपकी कामों को लेकर योजना बनाकर चलने के कारण आपको अपनी सांभावना है। आपकी अपेक्षा बढ़ेंगी।

कर्त्त्व राशि : कर्त्त्व राशि के जातकों के लिए आज दिन मिला जुला रहने वाला है। रोजगार की तराश में लगे लोगों को कोई अच्छी नौकरी काम का प्राप्ति उत्तराचार रहने के कारण आपकी अपेक्षा बढ़ेंगी।

कन्या राशि : कन्या राशि के जातकों के लिए आज मध्यम रूप से फलदायक रहने वाला है। आपको कोई अपराधिक समाज व लोगों की अपील नहीं होगी। आप किसी काम को लेकर लापरवाही बिल्कुल ना दिखाएं।

तुला राशि : तुला राशि के जातकों के लिए आज दिन सफलता दिलाने वाला है। सिंगल लोगों की अपने यार से मुलाकात हो सकती है। आप की किसी से उत्तराचार करने के लिए एक अच्छी बात होगी। आप किसी से उत्तराचार करने के लिए सोचो।

ज्योतिष सेवा केन्द्र  
ज्योतिषवार्य पंडित अतुल शास्त्री

## नफरत पैदा करने वाली विचारधारा, मजहबी भेदभाव से मिलनी चाहिए मुक्ति



**भारत में एक फिल्मी परिवार ने अपने बेटे का नाम तैमूर रखा जो क्रूर आक्रांताओं को गौरवान्वित करने की मानसिकता आज भी जीवित है। वर्ष 1398 में तैमूर ने भारत पर आक्रमण किया जाना चाहिए कि मतदाता देश में कहीं से भी मतदाता कैसे कर सकते हैं, जब वे बोट देने के लिए वहां लौटें, जहां वे मतदाता के रूप में दर्ज हों। चूंकि सबके लिए ऐसा करना संभव नहीं होता, इसलिए वे चाहकर भी बोट नहीं कर पाते। इसकी अनेकों नहीं जानी चाहिए कि बोट प्रतिशत कम रहने का एक कारण यह ही है। अब जब एक साथ चुनावों के दोरान मताधिकार का उपयोग तभी कर सकते हैं, जब वे बोट देने के लिए वहां लौटें, जहां वे मतदाता के रूप में दर्ज हों। चूंकि सबके**

वारस्थकर्मियों को जीवन बचाने वाला और ईश्वर के प्रतिरूप की संज्ञा दी जाती है, लेकिन वीत दियों और स्ट्रेलिया में स्वास्थ्यकर्मियों की एक करतूत ने इस पेशे को कलंकित करने का काम किया। इस मामले से जुड़े स्वास्थ्यकर्मी के लिए भवित्व के रोगियों के साथ भेदभाव की बात

गौरवान्वित होकर रखी कारण है।

वे नफरत की आग में उपचारधीन यहूदी रोगियों को जान से बारने का भी दावा कर रहे हैं। आखिर मजहबी कारणों से एक वर्ग विशेष के रोगियों के साथ भेदभाव की बात

गौरवान्वित होकर रखी कारण है।

वे नफरत की आग में उपचारधीन यहूदी रोगियों को जान से बारने का भी दावा कर रहे हैं। आखिर मजहबी कारणों से एक वर्ग विशेष के रोगियों के साथ भेदभाव की बात

गौरवान्वित होकर रखी कारण है।

वे नफरत की आग में उपचारधीन यहूदी रोगियों को जान से बारने का भी दावा कर रहे हैं। आखिर मजहबी कारणों से एक वर्ग विशेष के रोगियों के साथ भेदभाव की बात

गौरवान्वित होकर रखी कारण है।

वे नफरत की आग में उपचारधीन यहूदी रोगियों को जान से बारने का भी दावा कर रहे हैं। आखिर मजहबी कारणों से एक वर्ग विशेष के रोगियों के साथ भेदभाव की बात

गौरवान्वित होकर रखी कारण है।

वे नफरत की आग में उपचारधीन यहूदी रोगियों को जान से बारने का भी दावा कर रहे हैं। आखिर मजहबी कारणों से एक वर्ग विशेष के रोगियों के साथ भेदभाव की बात

गौरवान्वित होकर रखी कारण है।

वे नफरत की आग में उपचारधीन यहूदी रोगियों को जान से बारने का भी दावा कर रहे हैं। आखिर मजहबी कारणों से एक वर्ग विशेष के रोगियों के साथ भेदभाव की बात

गौरवान्वित होकर रखी कारण है।

वे नफरत की आग में उपचारधीन यहूदी रोगियों को जान से बारने का भी दावा कर रहे हैं। आखिर मजहबी कारणों से एक वर्ग विशेष के रोगियों के साथ भेदभाव की बात

गौरवान्वित होकर रखी कारण है।

वे नफरत की आग में उपचारधीन यहूदी रोगियों को जान से बारने का भी दावा कर रहे हैं। आखिर मजहबी कारणों से एक वर्ग विशेष के रोगियों के साथ भेदभाव की बात

गौरवान्वित होकर रखी कारण है।

वे नफरत की आग में उपचारधीन यहूदी रोगियों को जान से बारने का भी दावा कर रहे हैं। आखिर मजहबी कारणों से एक वर्ग विशेष के रोगियों के साथ भेदभाव की बात

गौरवान्वित होकर रखी कारण है।

वे नफरत की आग में उपचारधीन यहूदी रोगियों को जान से बारने का भी दावा कर रहे हैं। आखिर मजहबी कारणों से एक वर्ग विशेष के रोगियों के साथ भेदभाव की बात

गौरवान्वित होकर रखी कारण ह







